मितांश
और उसके
जादुई सपने

प्रिय मितांश

जब तारों की चमक बिखरती है और सारी दुनिया मीठी नींद
में सो जाती है,तब तुम अपनी आँखें बंद करते हो...
और सपनों की दुनिया में उड़ चल पड़ते हो।

Scan for
Digital Copy

जादुई नींद

जब आसमान में तारे चमकते हैं और
चाँदनी मुस्कराती है, मैं अपने
बिस्तर में दुबक कर धीरे से कहता हूँ –
"शुभ रात्रि!"
पर असली जादू तो तभी शुरू होता है,
जब मेरे सपने उड़ान भरते हैं दिलों की उस
प्यारी सी दुनिया में।
आज रात मैं कौन बनूंगा – यही सोचता हूँ मैं।
चलो, अब तुम भी आँखें बंद करो...
और मेरे साथ एक सपना देखो!

मितांश

छोटा डॉक्टर, बड़ा कमाल

मैं सफेद कोट में डॉक्टर हूँ प्यारा
स्टेथोस्कोप गले में, हूँ सबसे न्यारा।
नन्हें हाथों में है ममता भरी
बच्चों की देखभाल है सबसे ज़रूरी।

हर धड़कन को ध्यान से सुनता,
हर मुस्कान में दवा बुनता।
प्यार और देखभाल से करता इलाज,
हर दिन देता सेहत का संदेश।

"गहरी साँस लो," मैं धीरे से कहता,
हर दोस्त को अच्छा महसूस कराता।
हर दिन मैं बनता प्यार का साथी,
डॉक्टर मितांश सबका सच्चा साथी!

मितांश

नन्हा रक्षक

,अब मैं बना पुलिसवाला सच्चा
निडर, साहसी और सबसे अच्छा।
,अपने शहर की रक्षा करता
हर किसी की मदद मैं करता।

,पपी को बचाया, दोस्त दिलाया
प्यार-सुरक्षा का पाठ सिखाया।
,हर डर को मैं कर दूँ दूर
लाऊँ जीवन में शांति भरपूर।

,जहाँ कहीं भी डर दिखाई दे
वहीं पहुँचूँ मैं बिना देर किए।
,नाम है मेरा 'मितांश' सब जानें
साहस की मिसाल मुझे ही मानें।

मितांश

छोटा सा मास्टर प्लानर

सपनों में मैं करता हूँ खोज,
बनाता हूँ नया, जोड़ता हूँ हर कोना।
सिंहासन, पुल, और ऊँची दीवार,
हर रचना में छुपी है मेरी पहचान।

इंजन, मशीन, या हर बड़ा यंत्र,
मेरे हाथों से चलता है सब कुछ।
हर परियोजना में मैं होता हूँ जुटा,
काम को करता हूँ मैं हर समय सच्चा।

दूर हो या पास, हर काम को सुलझाऊँ,
हर मुश्किल को सही रास्ते से समझाऊँ।
मैं इंजीनियर मितांश, करता हूँ हर काम,
मेरे मेहनत से बदलती है हर शाम।

मितांश

अंतरिक्ष का नन्हा हीरो

मैं तैरता हूँ तारों के बीच,
ग्रह-उल्का बनें मेरी रीत।
रॉकेट मेरा चले बेमिसाल,
सूट पहनूँ मैं कमाल।

खामोश नभ, चमकती रात,
सैर में होती नई बात।
“हैलो चाँद! हैलो मंगल!” कहता,
हर तारे से मिलकर हँसता।

मैं हूँ छोटा सा पर समझदार,
सपनों से करता विज्ञान को प्यार।
नाम है मेरा ‘मितांश’ ये जानो,
सीख-खोज से दुनिया जानो।

मितांश
नन्हा सुपरहीरो

पीठ पर है केप, हाथों में ताक़त,
शहर से लेकर देश तक मेरी है हिम्मत।
उड़ता हूँ मैं ऊँची हवाओं में,
सपनों को सच कर दूँ पल भर में।

स्कूल बस गिर रही थी नीचे,
घबराने की कोई बात न थी पीछे।
पकड़ लिया मैंने वो बस प्यारी,
सब बच्चों की जान बचाई सारी।

हूँ मैं सुपरहीरो, बहादुर और न्यारा,
उम्मीद जगाऊँ हर दिल में उजियारा।
नाम है मेरा 'मितांश', सबका मैं ही सितारा,
हर दिल में भरूँ मैं उजियारा।

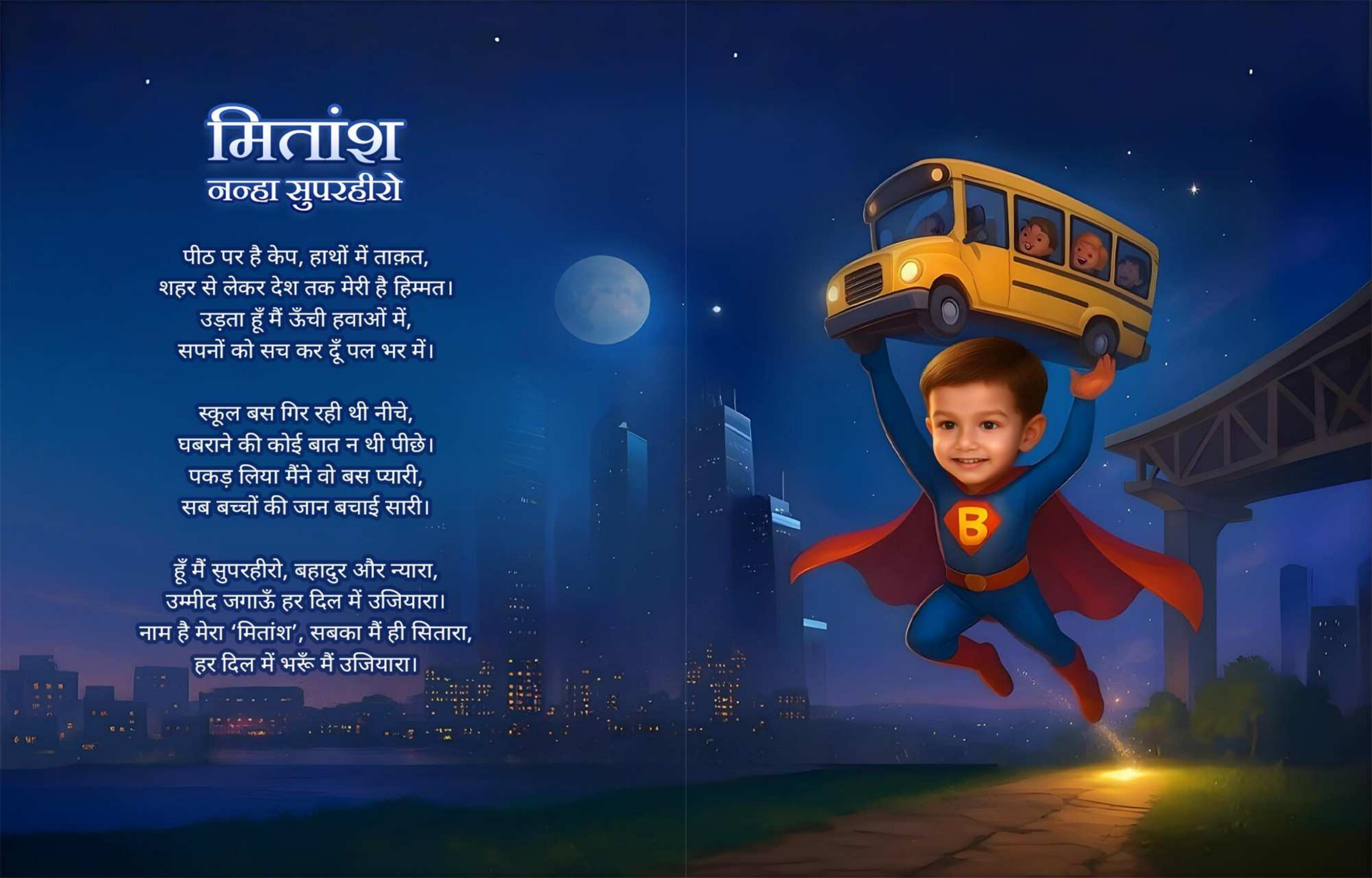

मितांश

बिजनेस मैन

,मैं हूँ बाज़ार का सबसे बड़ा सितारा
मेहनत और दिमाग से बढ़ाता कारोबार सारा।
,दिमाग तेज़, सोच बड़ी, हर प्लान पे हूँ मैं सवार
बिल्ड करता हूँ एम्पायर, जो हो सबसे बहार।

,दुनिया को जीतने का है मेरा पैगाम
कदम कदम बढ़ाता, बनाता नया काम।
,धंधा मेरा चलता जैसे हो बग़ीचा हरा
मेहनत और जुनून से चमकता मेरा सितारा।

,स्ट्रैटेजी मेरी क्लियर, दिल है बहुत बड़ा
कभी हार नहीं मानता, बस करता काम बढ़ा।
,मितांश' है नाम मेरा, मैं हूँ बड़ा खिलाड़ी'
बिजनेस की दुनिया का असली महारथी।

मितांश
ज्ञान का दीपक

"सुप्रभात बच्चों," मैं मुस्कान से कहता,
आओ सीखें, बढ़ें, जोश से चलता।
A, B, C और दया का पाठ,
कहानियाँ, गीत — ज्ञान की बात।

हम सपने देखें बड़े, नाम लिखें सुनहरा,
हर बच्चा चमके, यही है मेरा पहरा।
हर दिन सीखने की हो नई कहानी,
मैं हूँ शिक्षक, सबका प्यारा प्राणी।

नाम है मेरा 'मितांश', मैं हूँ ज्ञान का सच्चा सितारा,
हर बच्चे के दिल में जगाता उजियारा।

मितांश

नन्हा फायरफाइटर

लाल फायर ट्रक है तैयार खड़ा,
मजबूत बूट पहन, मैं हूँ बड़ा।
भागूँ मैं बचाने हर एक जान,
पूरी ताक़त से करूँ मदद का काम।

पानी से बुझाऊँ जलती लपटें,
भीड़ को दिलाऊँ राहत की थपकें।
सायरन बजे, तालियाँ गूंजें,
साहस की कहानियाँ सबको लुभाएँ।

मैं हूँ फायरफाइटर, निडर और नेक दिल,
बचाऊँ हर ज़िंदगी, यही है मेरा सिलसिला।
नाम है मेरा 'मितांश', मैं हूँ सबका सहारा,
साहस के साथ करता हर मुश्किल पार।

मितांश

नन्हा पायलट

,सवेरा हो या रात की बात
बादलों के बीच मेरी होती है उड़ान खास।
,चौड़े पंख, कंट्रोल मेरे हाथ
सुबह से रात तक चलता मेरा साथ।

,अपनी सीट बेल्ट बाँध लो," मैं हँसकर कहता"
नीले आसमान में सबको ले उड़ता।
,दूर-दराज़ देशों की सैर कराऊँ
मैं नन्हा पायलट, सबका सपना सच्चा बनाऊँ।

,नाम है मेरा 'मितांश', मैं हूँ आसमान का सितारा
उड़ान मेरी तेज़, सपनों से है मेरा सहारा।

मितांश
नन्हा वैज्ञानिक

मैं बना वैज्ञानिक मितांश,
सोचूँ समझूँ, करूँ ना कोई गड़बड़।
नव-विज्ञान की राह बनाऊँ,
रोज़-रोज़ कुछ नया मैं पहचानूँ।

बनाया रोबोट, उड़ाया रॉकेट,
हर प्रयोग से मिलती मुझे पॉज़िटिव पॉकेट।
आसमान को छूने का सपना सच्चा,
मैं बना वैज्ञानिक सच्चा और अच्छा।

पढ़ाई को माना अपना हथियार,
ज्ञान से करूँ दुनिया को तैयार।
जहाँ हो सवाल या हो अंधेरा,
वहीं पहुँचे 'मितांश' ज्ञान का सवेरा।

मितांश

अभिनय का सितारा

सपनों में जीऊँ हज़ारों ज़िंदगी,
कभी योद्धा, कभी हीरो, कभी जादुई बंदगी।
पोशाक पहन, रौशनी में आऊँ,
नई कहानी बनाकर सबको सुनाऊँ।

मंच पर उतरूँ हिम्मत से भरपूर,
किरदारों को जीवंत कर दूँ मैं ज़रूर।
मैं हूँ अभिनेता, जोश से भरा,
हर सपना करता हूँ पर्दे पर सच्चा!

संगीन सीन हो या हल्की हंसी,
मेरे अभिनय में छुपी है असली खुशी।
दूर हो या पास, हर भूमिका निभाऊँ,
मैं मितांश, हर पात्र को साकार कराऊँ।

मितांश
क्रिकेटर

,सुबह-सुबह मैं मैदान जाऊँ
बैट-बॉल से खेल दिखाऊँ।
,बॉल जैसे ही मुझ तक आए
सीधा चौका दूर उड़ाए।

,गेंद को देखकर दिल मुस्काए
हर बार नया शॉट लग जाए।
,दौड़-दौड़कर रन बनाऊँ
सारे मैच में चमक दिखाऊँ।

,मितांश के रन से बढ़ता स्कोर
भीड़ करे जोर-जोर से शोर।
,हर चौका लगे जैसे ताली
टीम को जीत मिले निराली।

आप क्या बनने का सपना देखते हैं?

WWW.kiddostorybook.com
+91 7016323282
Support@Kiddostory.com

A premium quality product by
Kiddo Story Time

Scan for App